Ruling regarding Point of Order raised by Shri Deepender Singh Huda

माननीय सभापति: माननीय श्री दीपेन्द्र सिंह हुड्डा जी, जब आप पहली बार खड़े हुए, तो मैंने कहा कि माननीय मंत्री जी का भाषण हो जाए, मैं आपको उसके बाद बोलने का अवसर दूंगा । इसके बावजूद भी लगातार व्यवधान हुआ?

? (व्यवधान)

माननीय सभापति : आप मुझसे डिस्कशन मत कीजिए । आपने एक बात उठाई, मैं भविष्य के लिए पूरे सदन को उसका पहले जवाब दे देता हूं ।

? (व्यवधान)

माननीय सभापति : अगर चेयर से आपको इस बात का आश्वासन मिल रहा है ।

? (व्यवधान)

माननीय सभापति: नहीं-नहीं, जय प्रकाश जी आगे तक चले आए । हाउस के वेल तक आ गए ।

? (व्यवधान)

श्री जय प्रकाश: महोदय, इन्होंने मेरा नाम लिया था ।? (व्यवधान)

माननीय सभापति : नाम लिया तो आपको अवसर मिला था, आप भी नाम ले रहे हैं । नाम लेने से कुछ नहीं है, जो इस सदन के सदस्य हैं, उनका नाम लिया जा सकता है, क्योंकि उसके पास अवसर है, वह अपनी बात में उसका जवाब दे सकता है ।

श्री दीपेन्द्र हुड्डा जी । भविष्य में इसका ख्याल रखिए, अगर आप व्यवधान करेंगे, कल वे तय कर लेंगे कि आप बोलेंगे तो वे व्यवधान शुरू करेंगे, तो मुझे लगता है कि जो सदन की एक मर्यादा है, इस सदन की एक गरिमा है, पूरे देश के लोग आपको देख रहे हैं । यहाँ अच्छी डिबेट हो रही है, चाहे इस पक्ष से हो, चाहे उस पक्ष से हो । मेरा आग्रह है कि अगर आपके मन में, एक तो नॉर्मली बजट की सामान्य चर्चा पर कोई पॉइंट ऑफ ऑर्डर नहीं होता है । नीतियों की आलोचना होती है, कार्यक्रमों की आलोचना होती है, लेकिन इसके बावजूद भी आप कोई बात उठाना चाहते हैं और अगर चेयर ने आश्वासन दे दिया तो बीच में व्यवधान न करें ।

श्री दीपेन्द्र हुड्डा जी ।

श्री दीपेन्द्र सिंह हुड्डा : सर, हम आपकी बात स्वीकार कर रहे हैं । सर, मेरा पॉइंट ऑफ ऑर्डर है ।

माननीय सभापति : किस नियम में?

श्री दीपेन्द्र सिंह हुड्डा : सर, मेरा पॉइंट ऑफ ऑर्डर है । I want to raise a Point of Order under Rule 352 (vii), combined with Article 1 of the Constitution. Article 1 of the Constitutions says:

?India, that is Bharat, shall be a Union of States.?

हर राज्य भारत का हिस्सा है । बार-बार माननीय मंत्री जी ने कहा कि सैलजा जी ने, जय प्रकाश जी ने केवल हरियाणा की बात कही । केन्द्रीय बजट में हरियाणा की बात करना, क्या हरियाणा भारत का हिस्सा नहीं है? मैं यह सरकार से पूछना चाहता हूँ ।? (व्यवधान) मैं कहना चाहता हूँ ।? (व्यवधान)

माननीय सभापति : माननीय दीपेन्द्र जी, आपने नियम 352 कहा है ।

? (व्यवधान)

श्री दीपेन्द्र सिंह हुड्डा : महोदय, नियम 352(7) ।? (व्यवधान)

माननीय सभापति : आप एक बार मेरी बात सुन लीजिए ।

? (व्यवधान)

माननीय सभापति : आप बैठ जाइए । It says:

?A Member while speaking shall not ? (i) refer to any matter of fact on which a judicial decision is pending.?

? (व्यवधान)

श्री दीपेन्द्र सिंह हुड्डा : सर, मैंने 352(7) कहा है ।? (व्यवधान) सर, आप गलत पढ़ रहे हैं । 352(1) नहीं, 352(7) पढ़िए ।? (व्यवधान)

माननीय सभापति : मैं पढ़ता हूँ । एक मिनट सुनिए । मैं 352(7) भी पढ़ता हूँ ।? (व्यवधान) आप सीनियर हैं, आप वरिष्ठ हैं ।

? (व्यवधान)

श्री दीपेन्द्र सिंह हुड्डा : इसमें कोई दिक्कत नहीं है । हरियाणा भारत का हिस्सा है । अगर हरियाणा को केन्द्रीय बजट में भुला दिया जाएगा, अगर आप उसे भूल जाओगे तो हरियाणा के लोग भी 3 महीने के बाद आपको वोट देना भूल जाएंगे ।? (व्यवधान) महोदय, मेरा माइक बंद हो गया है ।? (व्यवधान)

माननीय सभापति : चलिए, आप बोलिए ।

? (व्यवधान)

SHRI DEEPENDER SINGH HOODA: Sir, I want to raise a Point of Order under Rule 352 (vii), combined with Article 1 of the Constitution.

Rule 352 (vii) says:

?A Member while speaking shall not utter treasonable, seditious or defamatory words.?

सर, हरियाणा को भारत का हिस्सा न मानना, यह डिफेमेटरी भी है, सेडिशियस भी है ।? (व्यवधान) आपकी सरकार हरियाणा को भारत का हिस्सा कैसे नहीं मान सकती?? (व्यवधान)

माननीय सभापति : मैं आदेश दे रहा हूँ । कोई पॉइंट ऑफ ऑर्डर नहीं है ।

? (व्यवधान)

HON. CHAIRPERSON: There is no Point of Order in this. I have already heard you. He has only referred to the hon. Member from Haryana in respect of whatever she had said in her speech. So, there is no Point of Order.

Now, Shri Harendra Singh Malik.

? (Interruptions)

माननीय सभापति : आपको अवसर मिल गया है । आपको अपनी बात उठाने का अवसर मिल गया है । मैंने आपको अपनी बात उठाने का अवसर दे दिया है ।

? (व्यवधान)

माननीय सभापति : माननीय मंत्री जी, आप क्या कहना चाहते हैं? जैसा उन्होंने डिफेमेटरी या इस तरह की बात कही, तो मैंने रूलिंग दे दी है कि आपने ऐसा कोई शब्द नहीं कहा है ।

? (व्यवधान)

श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह : महोदय, मैंने यह कभी नहीं कहा कि हरियाणा की चर्चा करना गलत है । मैंने कहा कि देश के बारे में भी चर्चा कीजिए, लेकिन ये लोग लगातार बिहार और आन्ध्र प्रदेश की चर्चा करते रहे हैं । क्या वह इस देश का हिस्सा है या नहीं है, ये इसके बारे में बताएं?? (व्यवधान)

श्री दीपेन्द्र सिंह हुड्डा : हरियाणा के सवाल पर हम सदन से बाहर जा रहे हैं ।

13.39 hrs

At this stage, Shri Deepender Singh Hooda and some other hon. Members

left the House.